

1. उद्देश्य हेतु अंकभार –

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	15	18.75
2.	अवबोध / अर्थग्रहण	22	27.50
3.	ज्ञानोपयोग / अभिव्यक्ति	21	26.25
4.	कौशल / मौलिकता	22	27.50
	योग	80	100

2. प्रश्नों के प्रकार एवं अंकभार –

क्र.सं.	प्रश्नों के प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रति प्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत	सम्भावित समय
1.	वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पात्मक					
2.	अतिलघूत्तरात्मक	10	1	10	12.50	10
3.	लघूत्तरात्मक ।	5	2	10	12.50	20
4.	लघूत्तरात्मक ।।	4	4	16	20	40
5.	निबंधात्मक	7	5x2+6x4+10x1	44	55	100
	योग	26		80	100	170

विकल्प योजना : आन्तरिक 17,19,21,22,23,25,26

पुनरावलोकन .....10 मिनट.....

3. विषय वस्तु का अंकभार –

क्र.सं.	इकाई	अंकभार	प्रतिशत
1.	अपठित गद्यांश	5	6.25
2.	निबंध	10	12.50
3.	पत्र / दरखास्त	5	6.25
4.	रिपोर्टाज	5	6.25
5.	व्याकरण	15	18.75
6.	1. पाठ्यपुस्तक—गद्य भाग	20	25
7.	पद्य भाग	20	25
8.			
9.			
10.			
11.			
12.			
13.			
14.			
15.			
16.			
17.			
18.			
19.			
20.			

मॉडल प्रश्न पत्र ब्ल्यू प्रिन्ट  
कक्षा-10 पूर्णांक :- 80

विषय :-सिन्धी

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई/उप इकाई	ज्ञान			अवबोध			ज्ञानोपयोगी/अभिव्यक्ति			कौशल/मौलिकता			योग	
		अति लघु	लघु	निबंध	अति लघु	लघु	निबंध	अति लघु	लघु	निबंध	अति लघु	लघु	निबंध		
		SA1	SA2		SA1	SA2		SA1	SA2		SA1	SA2			
1.	अपठित गद्यांश	2(2)			1(1)			1(1)					1(1)		5(5)
2.	निबंध													10(1)	10(1)
3.	पत्र/दरखास्त														5(1)
4.	रिपोर्ताज														5(1)
5.	व्याकरण	1(1)	2(1)		2(2)	4(2)		1(1)	2(1)		1(1)	2(1)			15(10)
6.	1. पाठ्यपुस्तक-गद्य भाग			6(1)						6(1)				4(1)	20(4)
7.	पद्य भाग			4(1)											20(4)
8.	योग	3(3)	2(1)	10(2)	3(3)	4(2)	4(1)	2(2)	8(2)	11(2)	6(1)	2(2)	4(1)	14(2)	80(26)
9.	कुल योग		15(6)			22(8)			21(6)			22(6)			80(26)

विकल्पों की योजना :-

नोट :- कोष्ठक में बाहर की संख्या अंकों की तथा भीतर प्रश्नों के लिए है।

हस्ताक्षर

# माध्यमिक परीक्षा - 2018

विषय : सिन्धी (T. L.)

वक्तु : 3.15 घण्टे

दर्जो : डुहों (X)

मार्कू : 80

नोट- सभु सुवाल करणु ज़रूरी आहिन ।

हेठियें टुकिरे खे ध्यान सां पढ़ी हेठि डिनल सुवालनि जा जवाब लिखो :

इन्सान हमेशा नयुनि शयुनि जी ज़ाण में मशगूल रहन्दो आहे । हू कुञ्जु शयूं ज़ाणण चाहीन्दो आहे । जीअं किटलीअ मां निकिरण वारी ब्राफ, जेम्स वाट जे मन में ब्राफ जो इंजणु ठाहिण जो उत्साह पैदा कयो । साग्रीअ रीति कदीमु ज़माने में हलंदड़ गोलियुनि सां गुणप करण जो तरीको पहिरीं कैलक्यूलेटर ऐं पोइ कम्प्यूटर जो आविष्कार थियो ।

सभ खां पहिरीं ठहियल कम्प्यूटर खे 'एबकस' कोठियो वियो । हिनजी खोजना हावर्ड आइकेने 1944 में कई ।

1. मथिएं टुकिरे जो सिरो (शीर्षक) लिखो । 1
2. इन्सान हमेशा छा ज़ाणण चाहींदो आहे ? 1
3. जेम्स वाट जे मन में छाजो उत्साह पैदा थियो ? 1
4. कम्प्यूटर जी खोजना कंहिं ऐं कडुहिं कई ? 1
5. कदीमु लफ़ज़ जी माना छा आहे ? 1

हेठियनि सुवालनि जा जवाब हिक लफ़ज़ में डियो :

6. ज़िद लिखो- रात 1
7. सिफ़ति लिखो- मिठो 1
8. जिन्स बदलियो- गांइ 1
9. अदद बदलियो- पेन्सिल 1
10. माना लिखो- ततल 1

हेठियनि सुवालनि जा जवाब लिखो :

11. इस्म ऐं उन जे किस्मनि जा नाला लिखो । 2
12. माना लिखी जुमिले में कम आणियो (के बि ब) : 2

- (1) पेट में कुआ डोड़णु (2) डुन्द डियणु
- (3) सोन थियणु (4) घर में गंगा वहणु

13. डुखियनि अखरनि जी माना लिखो (के बि ब) : 2
- (1) बदिजेबो (2) डात  
(3) घड़ी (4) चाउठ
14. गाल्हाइण जा लफ़ज़ घणा ऐं कहिड़ा आहिनि ? लिखो । 2
15. सागीअ माना वारा (पर्यायवाची) लफ़ज़ लिखो (के बि ब) : 2
- (1) अखि (2) पाणी  
(3) चंडु (4) हवा
16. कंहिं बि हिक विषय ते अटिकल 200 लफ़ज़नि में मज़मून लिखो : 10
- (1) मोबाईल फोन जो वधंदड़ वाहिपो ।  
(2) जेकडुहिं मां देश जो प्रधानमंत्री हुजां हा ।  
(3) तव्हांजे जीवन जी अण-विसरंदड़ घटना ।  
(4) मुंहिंजो विद्यार्थी जीवन ।
17. स्कूल जे प्रिंसीपाल खे बीमारीअ जे हालत में टिनि ड़िंहॉनि जी मोकल लाइ दरख्वास्त लिखो ।  
या 5
- नढे भाउ खे रांदियुनि जी अहमियत बाबत ख़तु लिखो ।
18. स्कूल जे सालियाने जलिसे मल्हाइण जी रिपोर्ट करियो । 5
19. हवालो समुझायो :  
“हेड्डो सारो सोन ! समुझीं थी बुई हिनजी कीमत केतिरी आहे ?”  
या 4
- “छो थी रोई ? बुख लगी अथेई ?”
20. हेठियनि मां किनि बि टिनि सुवालनि जा जवाब लिखो (20-30 लफ़ज़नि में) : 3 X 2 = 6
- (1) टैगोर हिकु सुठो साहित्यकार हो । कीअं ?  
(2) अशोक जो दोस्त केरु हो ऐं किथे वजी रहियो हो ?  
(3) अम्बाजी बस-स्टॉप ते पाड़ेसिरी फ़कीर खे छा चयो ?  
(4) वण इंसाननि जी कहिड़ी मदद कनि था ?

21. 'बुढा आश्रम' कहाणी तव्हांखे केतिरे कदुरु वणी ?  
या 6  
सिन्धी डिण-वारनि जे बारे में खोले समुझायो ।
22. आलिमी शखसियत : गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर जे लेखक श्री डाक्टर दयाल 'आशा' जो परिचय लिखो ।  
या 4  
'मुल्हु' पाठ जे लेखक श्री हरी हिमथाणी जो परिचय लिखो ।
23. बैत जो मतिलब लिखो :  
"डातार त तूं, बिया सभेई मडणा ।  
मीहं मुंदाइता वसणा, सदा वसीं तूं ॥"  
या 4  
"सचु त पखे में पंहिंजे रहन्दें,  
कदुरु कखनि जो कोन सुजाणे ।"
24. हेठियनि मां किनि बि टिनि सुवालनि जा जवाब अटिकल 30-40 लफ़्जनि में लिखो : 6  
(1) 'दुख ऐं सुख जंहिंजा ब किनारा' जी अंदिरीं माना समुझायो ।  
(2) दुनिया में कंहिंजी असांखे परवाह नाहे ?  
(3) कविअ 'कुदरत वारा' कंहिंखे चयो आहे ?  
(4) अहिंसा जो मतिलबु छा आहे ?
25. 'महिनत' बैत ज़रिए कवि खियलदास 'फ़ानी' कहिड़ो संदेश डिनो आहे ?  
या 6  
'सूर त साणु इयं जाण हाणे' बैत जो सार पंहिंजनि लफ़्जनि में लिखो ।
26. कवि श्री मिर्जा कलीच बेगु जो जीवन परिचय अटिकल 100 लफ़्जनि में लिखो ।  
या 4  
अटिकल 100 लफ़्जनि में श्री किशनचंद 'बेवस' जो जीवन परिचय लिखो ।

# उत्तर कुंजी

सिन्धी (T. L.)

दर्जो : डुहों (X)

प्र. सं.	संभावित उत्तर	अंक	विभाजन	पुस्तक पृष्ठ सं.
1.	खोज	1		अपठित गद्यांश
2.	इंसान हमेशा नयुनि शयुनि जी खोज करणु चार्हीदो आहे ।	1		अपठित गद्यांश
3.	ब्राफ जी इंजणु ठाहिणु	1		अपठित गद्यांश
4.	हावर्ड आइकेने 1944	1		अपठित गद्यांश
5.	पुराणो	1		अपठित गद्यांश
6.	डुंहुं	1	गंगाराम ईसराणी-	ग्रामर पृ. 60
7.	मिठडो	1	गंगाराम ईसराणी-	ग्रामर पृ. 27
8.	ढगो	1	गंगाराम ईसराणी-	ग्रामर पृ. 60
9.	पेंसिलू	1	गंगाराम ईसराणी-	ग्रामर पृ. 54
10.	गर्म	1		
11.	माण्हूंअ, साहवारे, जाइ, शइ, ख़ासियत या हालात जे नाले खे इस्मु चइबो आहे । इस्म जा किस्म आहिनि- (1) इस्म आम (2) इस्म ख़ास (3) इस्म ज़ात (4) इस्म जिंस (5) इस्म जमउ (6) इस्म तसगीरु	2	गंगाराम ईसराणी-	ग्रामर पृ. 23
12.	(1) बुख लगणु (2) विडहणु (3) तरक्की करणु (4) सभेई सुख हुअणु	2	गंगाराम ईसराणी-	ग्रामर पृ. 64
13.	(1) बदसूरत (2) बख़्शीश (3) पल (4) बुंभो	2	गंगाराम ईसराणी-	ग्रामर पृ. 60
14.	गाइण जपा 8 लफ़ज़ आहिनि- (1) इस्मु (2) ज़मीर (3) सिफ़त (4) फ़इलु (5) ज़फ़ु (6) हफ़ु ज़रि (7) हफ़ु जुमिलो (8) हफ़ु निदा	2	गंगाराम ईसराणी-	ग्रामर पृ. 23
15.	सागीअ माना वारा लफ़ज़ (पर्यायवाची) कुल 2 करिणा आहिनि । (हरहिक ते 1 मार्क आहे)	2	गंगाराम ईसराणी-	ग्रामर पृ. 60

16. मज़मून : विषय वस्तु- 2, पेशकश- 4, भाषा शैली- 2, पछाड़ी- 2	10	मौलिक स्वरचित
17. ख़त : सरनामो- 1, पेशकश (लिखिणी)- 3, पछाड़ी- 1	5	मौलिक
18. रिपोर्ट : भाषा शैली- 2, पेशकश- 3	5	मौलिक
19. हवालो : उनवान- 1, लेखक जो नालो- 1, समुझाणी- 2	4	गद्य (साहित्यिक पुष्प)
20. शागिर्द खे 30-40 लफ़्ज़नि में नसुर (साहित्यिक पुष्प) मां नंढनि सुवालनि जा जवाब लिखिणा आहिनि । हरहिक ते 2 मार्कूँ आहिनि ।	6	गद्य (साहित्यिक पुष्प)
21. नसुर मां कहाणी / मज़मून / को बि वडो सुवाल पुछियो वियो आहे उहो मौजूअ अनुसार ब्रानि पेश कयो हुजे या कनि, उन मूजिब मार्कुनि जी विरासत कई वजे ।	6	नसुर (साहित्यिक पुष्प)
22. लेखक परिचय	4	नसुर (साहित्यिक पुष्प)
23. बैत जी समुझाणी	4	नज़्म (साहित्यिक पुष्प)
24. नज़्म खण्ड मां के बि 3 नंढा सुवाल करणा आहिनि । शागिर्द जी लिखिणीअ अनुसार मार्कुनि जी विरासत कई वजे । हरहिक सुवाल ते 2 मार्कूँ आहिनि ।	6	नज़्म (साहित्यिक पुष्प)
25. कविता जी समुझाणी या सार	6	नज़्म (साहित्यिक पुष्प)
26. कवि परिचय	4	नज़्म (साहित्यिक पुष्प)

कुल 80

## سيڪنڊري امتحان - 2018

وشيہ : سنڌي (T.L.)

مارڪون : 80

درجو : ڏهون (X)

وڪت : 3.15 ڪلاڪ

هيٺئين نُڪري کي ڌيان سان پڙهي هيٺ ڏنڪ سوالن جا جواب لکو -

انسان هميشه نين شين جي ڄاڻ ۾ مشغول رهندو آهي. هو ڪڇ نئون ڄاڻڻ چاهيندو آهي، جيئن ڪتليءَ مان نڪرڻ واريءَ باق، جئمس واٽ جي من ۾ باق جي انجڻ ناهڻ جو اُتساهه پيدا ڪيو. ساڳيءَ ريت ڪديهر زماني ۾ هلندڙ گولين سان ٻٽپ جو طريقو پهرين ڪئليڪيوليٽر ۽ پوءِ ڪمپيوٽر جي ڪوجنا ٿي. سڀ کان پهرين نهڪ ڪمپيوٽر کي ابيڪس ڪوٺيو ويو. هن جي ڪوجنا هاورڊ آٽيڪيني 1944ع ۾ ڪئي.

1. متئين نُڪري جو سرو (شيرشڪ) لکو. 1
2. انسان هميشه ڇا ڄاڻڻ چاهيندو آهي؟ 1
3. جئمس واٽ جي من ۾ ڇا جو اُتساهه پيدا ٿيو؟ 1
4. ڪمپيوٽر جي ڪوجنا ڪنهن ۽ ڪڏهن ڪئي؟ 1
5. ڪديهر لڪ جي معنيٰ ڇا آهي؟ 1
- هيٺين سوالن جا جواب هڪ لڪ ۾ ڏيو -
6. ضد لکو - رات. 1
7. صفت لکو - منو. 1
8. جنس بدليو - گانءِ. 1
9. عدد بدليو - پينسڪ. 1
10. معنيٰ لکو - تنڪ. 1
- هيٺين سوالن جا جواب لکو -
11. اِسر ۽ اُن جي ڪسمن جا نالا لکو. 1
12. معنيٰ لکي جملي ۾ ڪر آڻيو (ڪي به به). 2

(1) پيت ۾ ڪوئا ڊوڙڻ (2) ڏند ڏيڻ

(3) سون ٿيڻ (4) گهر ۾ گنڻا وهڻ

## سيڪنڊري امتحان - 2018

وشيہ : سنڌي (T.L.)

مارڪون : 80

درجو : ڏهون (X)

وڪت : 3.15 ڪلاڪ

هيٺئين نُڪري کي ڌيان سان پڙهي هيٺ ڏنڪ سوالن جا جواب لکو -

انسان هميشه نين شين جي ڄاڻ ۾ مشغول رهندو آهي. هو ڪڇ نئون ڄاڻڻ چاهيندو آهي، جيئن ڪٿليءَ مان نڪرڻ واريءَ باق، جئمس واٽ جي من ۾ باق جي انجڻ ناهڻ جو اُتساهه پيدا ڪيو. ساڳيءَ ريت ڪڍير زماني ۾ هلندڙ ٽولين سان ٻٽپ جو طريقو پهرين ڪئليڪيوليٽر ۽ پوءِ ڪمپيوٽر جي ڪوجنا ٿي. سڀ کان پهرين نهڪ ڪمپيوٽر کي ابيڪس ڪوٺيو ويو. هن جي ڪوجنا هاورڊ آٽيڪيني 1944ع ۾ ڪئي.

1. مٿئين نُڪري جو سرو (شيرشڪ) لکو. 1
2. انسان هميشه ڇا ڄاڻڻ چاهيندو آهي؟ 1
3. جئمس واٽ جي من ۾ ڇا جو اُتساهه پيدا ٿيو؟ 1
4. ڪمپيوٽر جي ڪوجنا ڪنهن ۽ ڪڏهن ڪئي؟ 1
5. ڪڍير لڪ جي معنيٰ ڇا آهي؟ 1
- هيٺين سوالن جا جواب هڪ لڪ ۾ ڏيو -
6. ضد لکو - رات. 1
7. صفت لکو - منو. 1
8. جنس بدليو - گانءِ. 1
9. عدد بدليو - پينسڪ. 1
10. معنيٰ لکو - تنڪ. 1
- هيٺين سوالن جا جواب لکو -
11. اِسر ۽ اُن جي ڪسمن جا نالا لکو. 1
12. معنيٰ لکي جملي ۾ ڪر آڻيو (ڪي به به). 2

(1) پيت ۾ ڪوئا ڊوڙڻ (2) ڏند ڏيڻ

(3) سون ٿيڻ (4) گهر ۾ گنڻا وهڻ

2 13. ڏکين اکرن جي معنيٰ لکو (کي به به)۔

(1) بدزيبو (2) ذات

(3) گهڙي (4) چائنٽ

2 14. ٻالھائڻ جا لفظ گهڻا ۽ ڪهڙا آهن؟ لکو.

2 15. ساڳيءَ معنيٰ وارا (پريايو اچي) شبد لکو (کي به به)۔

(1) آڪ (2) پاڻي

(3) چنڊ (4) هوا

10 16. مضمون لکو (اٽڪ 200 لفظن ۾)۔

(1) موبائيل فون جو وڌندڙ واهيو

(2) جيڪڏهن مان ديش جو پرڏان منترِي هجان ها....

(3) توهانجي جيون جي آڻ وسرندڙ گهڻا

(4) منهنجو وديارڻي جيون

17. اسڪول جي پرنسپال کي بيماريءَ جي حالت ۾ ٽن ڏينهن جي موڪل لاءِ درخواست لکو.

5 يا

ننڍي پاءُ کي راندين جي اهميت بابت خط لکو.

5 18. اسڪول جي سالياني جلبي ملهائڻ جي رپورٽ ڪريو.

19. حوالو سمجهايو۔

”هيڏو سارو سون! سمجهين ٿين ٿي هنجي ڪيمت ڪيتري آهي؟“

4 يا

”ڇو ٿي روئين؟ بڪ لڳي آئيئي؟“

6=3X2 20. هيٺين مان ڪن به ٽن سوالن جا جواب لکو (30-40 لفظن ۾)۔

(1) ٽئگور هڪ سٺو ساهتيڪار هو، ڪيئن؟

(2) اشوڪ جو دوست ڪير هو ۽ ڪٿي وڃي رهيو هو؟

(3) امباجي بس اسٽاپ تي پاڙيسريءَ فڪير کي ڇا چيو؟

(4) وڻ انسان جي ڪهڙي مدد ڪن ٿا؟

21. 'ٻڌا آشم' ڪهاڻي توهان کي ڪيترِي ڪدر وڻي؟ ڪولي لکو.

6

يا

سنڌي ڏڻ وارن جي باري ۾ ڪولي لکو.

22. عالمي شخصيت : گرڊيو روينڊرنات ٽنگور جي ليکڪ شري ڊاڪٽر ديال 'آشا' جو پريچيه لکو.

4

يا

'ملهه' پان جي ليکڪ شري هري همٿاڻيءَ جو پريچيه لکو.

23. بيت جو مطلب لکو.

''ڏاتار ته تون، ٻيا سڀئي مڻا،

مينهن منڊاڻتا وڻا، سدا وسين تون.''

4

يا

''سچ ته پڪي ۾ پنهنجي رهندين،

ڪدر ڪن جو ڪونه سڃاڻي.''

6=3X2

24. هيٺين مان ڪن به ٽن سوالن جا جواب لفظن ۾ لکو.

(1) 'دڪ ۽ سُڪ جنهنجا ٻه ڪنارا، جي آندرين معنيٰ سمجهايو.

(2) دنيا ۾ ڪنهنجي اسان کي پرواهه ناهي؟

(3) ڪوئيءَ ڪدرت وارا ڪنهن کي چيو آهي؟

(4) آهنسا جو مطلب ڇا آهي؟

25. 'مڪنت' بيت ذريعي ڪوئيءَ ڪيٽلداس 'فانيءَ' ڪهڙو سنڌيش ڏنو آهي؟

6

يا

'سور ته ساڻ ائين چڻ هاڻي' بيت جو سار پنهنجن لفظن ۾ لکو.

26. ڪوئي شري مرزا ڪليلچ بيگ جو جيون پريچيه اٽڪ 100 لفظن ۾ لکو.

4

يا

اٽڪ 100 لفظن ۾ شري ڪشنچند 'بيوس' جو جيون پريچيه لکو.